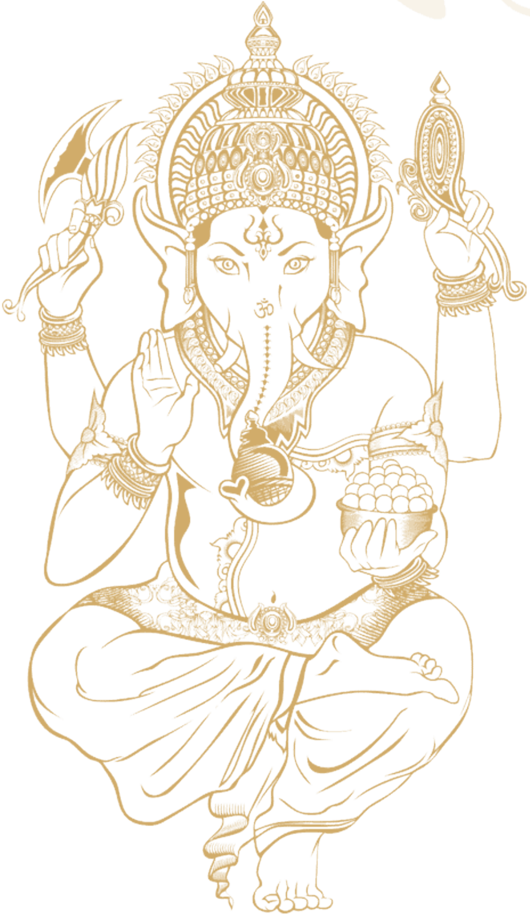

??????? ??????. ????/ ???? ??????

28 Aug 2025

11:13 AM

Noida

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121144703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/08/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:13:00 घंटे**
इष्ट	13:11:43 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:52:44 घंटे
वेलान्तर	-00:01:14 घंटे
साम्पातिक काल	09:19:33 घंटे
सूर्योदय	05:56:18 घंटे
सूर्यास्त	18:46:02 घंटे
दिनमान	12:49:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:58:36 सिंह
लग्न के अंश	19:11:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रू-रूपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:11:20	308:10:07	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	10:58:36	00:57:58	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	07:54:18	11:55:22	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	19:15:41	00:38:43	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध			कर्क	26:02:33	01:43:05	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	22:58:12	00:11:06	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	08:50:01	01:11:47	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	06:03:42	00:03:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	24:09:02	00:01:02	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	24:09:02	00:01:02	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:12:47	00:00:27	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:14:14	00:01:27	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:37:40	00:01:08	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	23:13:33	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:00

लग्न-चलित

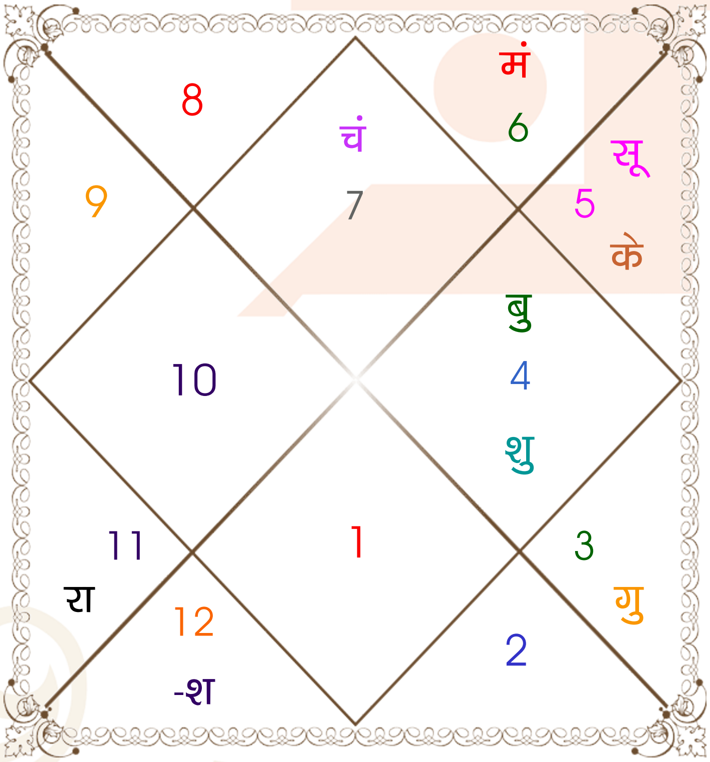

चन्द्र कुंडली

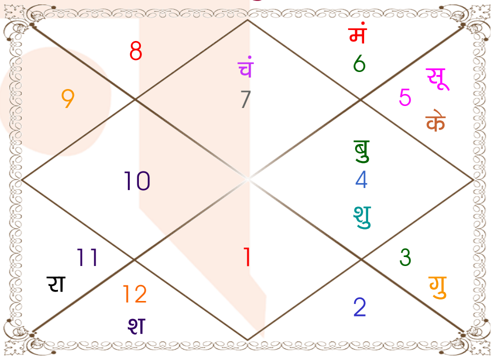

नवमांश कुंडली

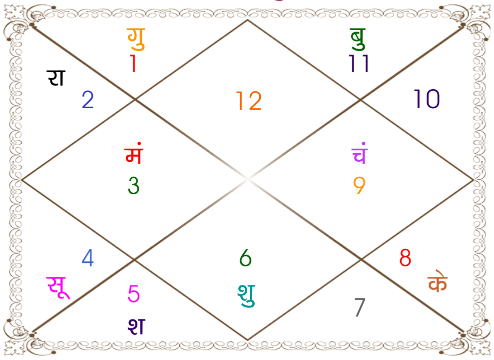

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 3 मास 28 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/08/2025		26/12/2041		26/12/2057		26/12/2076		26/12/2093	
26/12/2041		26/12/2057		26/12/2076		26/12/2093		27/12/2100	
राहु	07/09/2026	गुरु	13/02/2044	शनि	29/12/2060	बुध	24/05/2079	केतु	24/05/2094
गुरु	31/01/2029	शनि	26/08/2046	बुध	08/09/2063	केतु	20/05/2080	शुक्र	24/07/2095
शनि	08/12/2031	बुध	01/12/2048	केतु	17/10/2064	शुक्र	21/03/2083	सूर्य	29/11/2095
बुध	26/06/2034	केतु	07/11/2049	शुक्र	17/12/2067	सूर्य	26/01/2084	चंद्र	29/06/2096
केतु	15/07/2035	शुक्र	08/07/2052	सूर्य	28/11/2068	चंद्र	26/06/2085	मंगल	25/11/2096
शुक्र	15/07/2038	सूर्य	26/04/2053	चंद्र	29/06/2070	मंगल	23/06/2086	राहु	14/12/2097
सूर्य	08/06/2039	चंद्र	26/08/2054	मंगल	08/08/2071	राहु	10/01/2089	गुरु	20/11/2098
चंद्र	07/12/2040	मंगल	02/08/2055	राहु	14/06/2074	गुरु	18/04/2091	शनि	29/12/2099
मंगल	26/12/2041	राहु	26/12/2057	गुरु	26/12/2076	शनि	26/12/2093	बुध	27/12/2100

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/12/2100		27/12/2120		27/12/2126		27/12/2136		27/12/2143	
27/12/2120		27/12/2126		27/12/2136		27/12/2143		00/00/0000	
शुक्र	27/04/2104	सूर्य	15/04/2121	चंद्र	27/10/2127	मंगल	25/05/2137	राहु	29/08/2145
सूर्य	27/04/2105	चंद्र	15/10/2121	मंगल	27/05/2128	राहु	12/06/2138		00/00/0000
चंद्र	27/12/2106	मंगल	20/02/2122	राहु	26/11/2129	गुरु	19/05/2139		00/00/0000
मंगल	26/02/2108	राहु	14/01/2123	गुरु	28/03/2131	शनि	27/06/2140		00/00/0000
राहु	26/02/2111	गुरु	03/11/2123	शनि	27/10/2132	बुध	24/06/2141		00/00/0000
गुरु	27/10/2113	शनि	14/10/2124	बुध	28/03/2134	केतु	20/11/2141		00/00/0000
शनि	27/12/2116	बुध	21/08/2125	केतु	27/10/2134	शुक्र	20/01/2143		00/00/0000
बुध	27/10/2119	केतु	27/12/2125	शुक्र	27/06/2136	सूर्य	28/05/2143		00/00/0000
केतु	27/12/2120	शुक्र	27/12/2126	सूर्य	27/12/2136	चंद्र	27/12/2143		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 4 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।